सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 94 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 9 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

फिजिशियन इलाज करता है, लेकिन प्रकृति ठीक करती है।
-हिप्पोक्रेटीस

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले पर क्यों... 7 | अब फैसला, होगी जीत या... 3 | निकाय चुनावः आज थमेगा दूसरे... 2

मिशन-2024 में जुटे सियासी दल

नीतीश का ओडिशा दौरा, पायलट निकालेंगे जनसंघर्ष यात्रा

» भाजपा खेलेगी धर्म व फिल्म का कार्ड

» कांग्रेस मोदी सरकार के नफरत पर करेगी वार

» नवीन से मिले नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 लोक सभा चुनाव से पहले सियासी दलों में बेचैनी बढ़ती जा रही हैं सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता बचाने के लिए धर्म से लेकर फिल्म तक का इस्तेमाल कर रही है तो कांग्रेस भाजपा पर देश को बांटने का आरोप लगाकर उसे घेर रही है तो अन्य दल एकजुटता के लिए दम दिखा रहे ताकि आगामी चुनाव में उनकी कीमत बढ़ सके। इन सबकेबीच राजनैतिक पार्टियों के अंदरुनी कलह भी बाहर आ रहे हैं।

विपक्षी एकता को बल देने की कोशिश में जुटे बिहार के सीएम नीतीश कुमार आज ओडिशा दौरे पर रहे, जहां उनकी मुलाकात सीएम नवीन पटनायक से हुई। इससे पहले वह ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, राहुल गांधी से भी मिल चुके हैं। आगामी 11 मई को वह मुंबई में उद्धव ठाकरे व शरद पवार से भी मिलेंगे।

विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि वह भुवनेश्वर में सीएम नवीन पटनायक से मिलकर शाम में पटना वापस लौट आएंगे। सीएम ऑफिस ने नीतीश कुमार और नवीन पटनायक के मुलाकात की पुष्टि की है। बताया गया कि आज दोपहर में दोनों मुख्यमंत्री की की मुलाकात हुई। वहीं ओडिशा से लौटने के बाद नीतीश कुमार का एक निजी दौरे पर खगड़िया जाने का भी प्लान है। सीएम के ओडिशा दौरे को लेकर हर किसी के मन में यही सवाल है कि आखिर नवीन पटनायक से उनकी क्या बात होगी ?बीजू जनता दल के प्रमुख और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक के साथ नीतीश कुमार की मुलाकात को लेकर अटकलें काफी समय से चल रही थीं। अब दोनों सियासी दिग्गजों की मीटिंग होने जा रही। नीतीश कुमार ने जब से बिहार में बीजेपी का साथ छोड़ महागठबंधन का रुख किया, तभी से वो विपक्षी एकता की मुहिम में जुट गए। लगातार अलग-अलग राज्यों में सियासी दिग्गजों से मिल रहे हैं।

ममता-अखिलेश-राहुल से भी मिले थे बिहार के सीएम

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए नीतीश कुमार विपक्षी एकता अभियान के तहत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। हाल ही में नीतीश कुमार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत की थी। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई दलों के नेताओं से मुलाकात की थी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की तरह देश के किसी भी राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में नवीन पटनायक भी हैं। वो भी बीजेपी के साथ पहले सहयोगी के तौर पर रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी से समान दूरी बनाए रखने की नीति अपनाई है। नीतीश कुमार ने जब ममता बनर्जी से मुलाकात की तो उन्होंने उनसे बिहार में बीजेपी के विरोध में देशभर के नेताओं की एक बैठक बुलाने के लिए कहा था। ऐसी बैठक कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद हो सकती है।

यात्रा सुखद एवं फलदायी रही

इधर, नवीन निवास में मुख्यमंत्री ने बड़े ही गर्मजोशी से नीतीश कुमार का स्वागत किया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ट्वीट कर लिखा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर प्रसन्नता हुई है। हमारा बिहार और अन्य पड़ोसी राज्य के लोगों के साथ विशेष संबन्ध है। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि मुझे उम्मीद है कि उनकी यात्रा सुखद एवं फलदायी रही है।

सीएम गहलोत पर बरसे पायलट

जयपुर। राजस्थान के कांग्रेस के वरिष्ट नेता सचिन पायलट ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत के भाषण को सुनने के बाद यह लगता है कि सोनिया गांधी उनकी नेता ही नहीं हैं, बल्कि उनकी नेता वसुंधरा राजे सिंधिया हैं। पायलट ने कहा, साल 2020 में मैं उप मुख्यमंत्री था, उस समय राजद्रोह के आरोप में मुझ पर कार्रवाई करने की कोशिश की गई थी। नेतृत्व परिवर्तन चाहते थे, इसलिए दिल्ली गए एआईसीसी से बात रखी, जिसके बाद एक कमेटी का गठन हुआ। कमेटी ने सबकी बात सुनी और उसके आधार पर एक रोड मैप तैयार किया गया। इसके बाद से हर छोटे-बड़े कार्य में सभी साथियों ने मिलकर काम किया और मेहनत की, अनुशासन तोड़ने का कार्य कभी किसी ने नहीं किया।सचिन पायलट ने कहा कि मैं 11 मई को अजमेर से एक जन संघर्ष यात्रा निकालूंगा और हम जयपुर की तरफ आएंगे। यह 125 किमी की यात्रा होगी। 5 दिन की यात्रा में जनता के बीच जाऊंगा, उनके बीच अपनी बात रखूंगा। सही निर्णय तब लिए जाएंगे जब जनता का पूरा साथ होगा। उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की बात नहीं मानना गलत है। पिछले साल 25 अगस्त विधायक दल की बैठक के बीच गहलोत खेमे के विधायकों के मीटिंग में नहीं आने पर भी पायलट ने सवाल उठाए। उन्हें इसे अनुशासनहीनता करार दी। साथ ही इस मामले में कार्रवाई नहीं किए जाने पर भी सवाल खड़े किए।

कर्नाटक में वोटिंग कल, सभी तैयार

» 224 सीटों पर भाजपा-कांग्रेस में मुकाबला

» 5.2 करोड़ मतदाता करेंगे मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में कल मतदान होगा। 224 सदस्यीय विधानसभा सीटों के भाजपा, कांग्रेस व जेडीएस अपनी किस्मत आजमाएंगे। सभी बड़े नेताओं ने लोगों से वोट करने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के नाम एक खुला खत जारी किया है। जहां भाजपा सत्ता में पुर्नवापसी के लिए दम दिखाएगी वहीं कांग्रेस कुर्सी पर कब्जे के लिए कोशिश कर रही है।

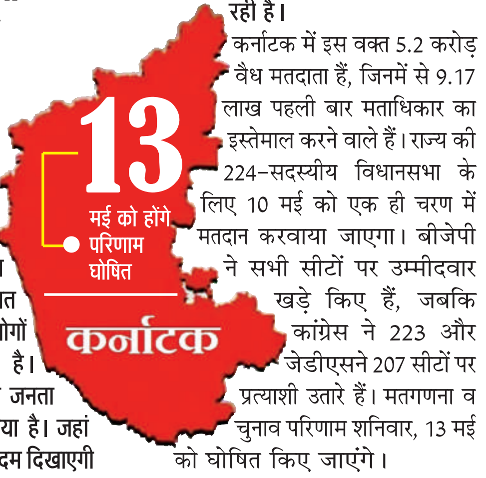

कर्नाटक में इस वक्त 5.2 करोड़ वैध मतदाता हैं, जिनमें से 9.17 लाख पहली बार मताधिकार का इस्तेमाल करने वाले हैं। राज्य की 224-सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को एक ही चरण में मतदान करवाया जाएगा। बीजेपी ने सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं, जबकि कांग्रेस ने 223 और जेडीएसने 207 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। मतगणना व चुनाव परिणाम शनिवार, 13 मई को घोषित किए जाएंगे।

सुप्रीम चौखट पर पहुंचा केरल स्टोरी मामला

» फिल्म पर रोक लगाने को डाली याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फिल्म द केरल स्टोरी पर रोक लगाने से मना करने के केरल हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने शीर्ष अदालत से मामले में जल्द सुनवाई का अनुरोध किया, जिसके बाद चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने 15 मई को सुनवाई की बात कही। केरल हाईकोर्ट ने 5 मई को फिल्म द केरल स्टोरी की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

यह कहते हुए कि केरल का धर्मनिरपेक्ष समाज फिल्म को उसी रूप में स्वीकार करेगा, जैसी वह है, केरल हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि फिल्म, जो काल्पनिक है न कि इतिहास, समाज में कैसे सांप्रदायिकता और संघर्ष पैदा करेगी। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि क्या पूरा ट्रेलर समाज के खिलाफ था। अदालत ने फिल्म के सेंसर प्रमाणपत्र को रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाओं के एक बैच पर विचार करते हुए कहा, सिर्फ फिल्म दिखाए जाने से कुछ नहीं होगा। फिल्म का टीजर नवंबर में रिलीज किया गया था। फिल्म में आपत्तिजनक क्या था? यह कहने में क्या गलत है कि अल्लाह ही एकमात्र ईश्वर है? देश नागरिकों को यह अधिकार देता है कि वे अपने धर्म और ईश्वर को मानें और उसका प्रसार करें। ट्रेलर में आपत्तिजनक क्या था?

निकाय चुनाव : आज थमेगा दूसरे चरण का प्रचार

» सपा, भाजपा, बसपा व कांग्रेस ने झोंकी ताकत, 11 को होगा मतदान, जिलों में पहुंचे प्रेक्षक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दूसरे चरण के चुनाव के लिए मंगलवार को प्रचार समाप्त हो जाएगा। ये चुनाव 11 मई को होगा। यह चुनाव 7 नगर निगमों, 590 नगर निगम वार्डों पर कराया जा रहा है। साथ ही 95 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, 2551 सदस्य नगर पालिका परिषद वार्ड, 268 अध्यक्ष नगर पंचायत एवं 3495 सदस्य नगर पंचायत पद पर चुनाव होगा।

38 जिलों में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव में दूसरे चरण का प्रचार मंगलवार शाम थम जाएगा। इसके लिए जहां राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी तैयारियों को तेज कर लिया है तो वहीं चुनाव प्रेक्षकों ने भी जिलों में जाकर कमान संभाल ली है। वह चुनाव की सभी तैयारियों पर निगाह रखेंगे। यह चुनाव 07 नगर निगमों, 590 नगर निगम वार्डों पर कराया जा रहा है। साथ ही 95 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, 2551 सदस्य नगर पालिका परिषद वार्ड, 268 अध्यक्ष नगर पंचायत एवं 3495 सदस्य नगर पंचायत पद पर चुनाव होगा। कुल 370 निकायों एवं 6636 वार्डों में 7006 पदों पर यह निर्वाचन कराया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को बाराबंकी मिर्जापुर और अयोध्या में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं करेंगे। वह बाराबंकी के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान, दोपहर 1:45 बजे मिर्जापुर के लालगंज क्षेत्र के बापू उप रौध रोड इंटर कॉलेज और दोपहर 3:40 पर अयोध्या के मणिराम दास जी की छावनी के नए भवन में जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी अमेठी और अंबेडकरनगर में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार व जनसभाएं करेंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को शाहजहांपुर, बदायूं, पीलीभीत और बरेली और ब्रजेश पाठक सोनभद्र, भदोही और अयोध्या में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव अमेठी में विभिन्न स्थानों पर रोड शो और जनसभा करेंगे। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा बदायूं तो केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति हमीरपुर में जनसंपर्क व जनसभा को संबोधित करेंगी। जल शक्ति मंत्री खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव अमेठी अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री और राज्यमंत्री वाल्मीकि पीलीभीत में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे।

1,92,32,004 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे

इस चरण में मत 19232004 मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 10216992 तथा महिला मतदाताओं की संख्या 9015012 है। इस चरण में प्रचार के लिए प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। यही इस चुनाव का अंतिम चरण है। चूंकि इसके प्रचार के लिए बस एक ही दिन शेष रह गया है तो सभी राजनीतिक दलों एवं उम्मीदवारों की पूरी कोशिश है कि सभी मतदाताओं तक पहुंचा जाए। उधर प्रेक्षकों ने भी जिलों में मोर्चा संभाल लिया है। न केवल जुलूस रैली आदि पर वे नजर रखेंगे बल्कि चुनाव की पूरी तैयारियों पर निगाह रखेंगे। कहा गया है प्रत्येक गंभीर बात की सूचना निर्वाचन आयोग से साझा की जाए।

कानपुर में डिंपल यादव ने किया रोड शो

सांसद डिंपल यादव पहुंची कानपुर। सपा की मेयर प्रत्याशी वंदना बाजपेई के समर्थन में रोड शो करने पहुंची शहर। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में 4 घंटे रोड शो करेंगी। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई की पत्नी है मेयर प्रत्याशी वंदना बाजपेई। समाजवादी बस में सवार सांसद डिंपल यादव के साथ प्रत्याशी वंदना बाजपेई और विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी भी मौजूद। किदवई नगर से शुरू रोड शो कानपुर दक्षिण के कई इलाकों से होते हुए यशोदा नगर बाईपास पर होगा समाप्त।

योगी और अखिलेश ने की जनसभाएं

यूपी नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण के लिए सभी दल प्रचार में ताकत झोंक रहे हैं। योगी, अखिलेश, केशव और ब्रजेश पाठक ने आज चुनावी जनसभाएं कीं।

पवार ने की थी नौटंकी : बावनकुले

» अजित पवार को किया जा रहा है बदनाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी नेता अजित पवार से संपर्क करने के बाबत महाराष्ट्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने दावा कि यह खबर फैलाई जा रही है, जिसमें कोई दम नहीं है। दरअसल, महाविकास आघाडी के नेता ही पवार को निशाना बना रहे हैं। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए बावनकुले ने कहा कि पिछले चार महीने में अजित पवार से मेरा कोई संपर्क नहीं है।

महाविकास आघाडी के नेता ऐसी काल्पनिक खबरें फैलाकर अजित पवार को बदनाम कर रहे हैं। बावनकुले ने दावा किया कि शरद पवार का एनसीपी प्रमुख के पद से इस्तीफा देने का फैसला और बाद में यू-टर्न लेना एक नौटंकी के अलावा कुछ नहीं था। उन्होंने कहा कि इस्तीफे का पूरा प्रकरण पटकथाबद्ध था। हर कोई इसके बारे में जानता था। बीजेपी नेता ने कहा कि एक प्रासंगिक सवाल यह भी है कि (शरद) पवार जैसा बड़ा नेता, जो रयत शिक्षण संस्था सहित कई सहकारी निकायों के अध्यक्ष रहे हैं, वह किसी को भी अपने द्वारा स्थापित पार्टी का अध्यक्ष बनने की अनुमति कैसे दे सकते हैं? बावनकुले ने कहा कि वह एनसीपी के इस खेल के बारे में जानते हैं।

चुनाव आते ही प्रलोभन देने लगती है भाजपा

» लाडली बहना योजना के जवाब में कांग्रेस लाएगी नारी सम्मान योजना : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र के पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सरकार ने 18 साल तक महिलाओं के बारे में नहीं सोचा। अब चुनाव आए तो प्रलोभन देने के लिए योजना लेकर आ गए। नाथ ने कहा कि नारी सम्मान योजना में कांग्रेस लाडली बहना योजना में छूटी महिलाओं को भी लाभ देगी। कमलनाथ ने कहा कि वे मंगलवार को नारी सम्मान योजना शुरू करेंगे।

अब कमलनाथ भी लाडली बहना योजना के जवाब में नौ मई को कांग्रेस की नारी सम्मान योजना शुरू कर रहे हैं। इसमें कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को 1500 रुपये महीना और 500 रुपये में घरेलू गैस सिलिंडर दिया जाएगा। कमलनाथ ने बताया कि इस योजना के फॉर्म घर-घर जाकर कांग्रेस कार्यकर्ता भरवाएंगे। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद महिलाओं को 500 रुपये में रसोई गैस सिलिंडर और 1500 रुपये महीना आत्मनिर्भरता के लिए दिया जाएगा। कमलनाथ छिंदवाड़ा में योजना के आवेदन की शुरुआत करेंगे। भोपाल में सुरेश पचौरी, इंदौर में अरुण यादव और रतलाम में कांतिलाल भूरिया इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। नारी सम्मान योजना के आवेदन में आवेदक का नाम, पिता/पति का नाम, आधार क्रमांक, समग्र आईडी, आयु, जन्मतिथि, ग्राम पंचायत, जिला एवं किस वर्ग से है यह जानकारी देना होगी।

छिंदवाड़ा तक ही भरे जाएंगे फॉर्म : नरोत्तम

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नारी सम्मान योजना पर पलटवार करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा तक ही फॉर्म भर कर रह जाएंगे। लाडली बहना योजना एक्चुअल (असल) है, जबकि नारी सम्मान योजना वर्चुअल (आभासी) रहने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले किसानों के साथ छल किया और अब बहनों के साथ छल करने वाले हैं।

गुजरात में 40 हजार लड़कियां गायब : उद्धव

» सामना के संपादकीय में लिखा- एनसीआरबी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सामना संपादकीय के जरिए गुजरात और महाराष्ट्र से गायब हो रही लड़कियों को लेकर कई सवाल खड़े किए गए हैं। सामना संपादकीय में लिखा है कि पिछले 5 साल में गुजरात से 40 हजार महिलाएं और लड़कियां गायब हो चुकी हैं, यह आरोप पीएम मोदी के विरोधियों ने नहीं लगाया है, बल्कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की तरफ से ये जानकारी साझा की गई है, चौंकाने वाले खुलासे के बाद हो सकता है कि एनसीआरबी में हमेशा के लिए ताला लग जाए।

सामना संपादकीय में लिखा है कि विश्व पटल पर गुजरात जैसा कोई दूसरा राज्य नहीं है, प्रचारित किया जाता है कि गुजरात ही देश के विकास का एकमात्र मॉडल है, लेकिन इस एक रिपोर्ट से गुजरात की पोल खुल गई है, पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कामकाज के पाखंड को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। गुजरात में लापता महिलाओं की दर अधिक है, लेकिन देश के अन्य राज्यों और शहरों की स्थिति भी इस मामले में आशाजनक नहीं है।

धुले-नंदुरबार गुजरात की सीमा से सटे जिले हैं, महाराष्ट्र के इन दोनों जिलों से बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां काम के लिए गुजरात जाती हैं। कुछ को वहां शादी का झांसा देकर ले जाया जाता है और उनमें हजारों महिलाओं-लड़कियों का आगे पता नहीं चलता।

बनानी चाहिए गुजरात फाइल्स

सामना में आगे लिखा है कि कश्मीर फाइल्स' और 'द केरल स्टोरी' की तरह विवेक अग्निहोत्री जैसे लोग 'गुजरात फाइल्स' बनाएं तो कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन 'द केरल स्टोरी' और 'कश्मीर फाइल्स' के बारे में 'ये सच है, दबाया नहीं जा सकता' ऐसा बयान पीएम मोदी सहित समस्त बीजेपी ने दिया, क्या वह गुजरात में लापता 40 हजार लड़कियों की स्टोरी का समर्थन कम-से-कम पर्दे पर करेंगे? संपादकीय में लिखा है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर न्याय के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की महिला पहलवान बैठी हैं, लेकिन न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही गृहमंत्री शाह उनके बारे में बोलने को तैयार हैं। फिर अकेले उनके गुजरात में ही 40 हजार महिलाओं और बच्चियों का लापता होना गंभीर है। अगर यह आंकड़ा अकेले गुजरात का है तो पूरे देश का आंकड़ा भयावह होगा।

महाराष्ट्र में हर दिन गायब हो रहीं 70 लड़कियां

सामना में लिखा है कि गुजरात में चालीस हजार महिलाएं गायब हो जाती हैं, लेकिन महाराष्ट्र में लड़कियों के गायब होने की दर गुजरात से कम है, महाराष्ट्र में लड़की और महिलाओं के गायब होने के विषय में एक ऐसी चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि महाराष्ट्र से हर दिन 70 लड़कियां गायब हो रही हैं। पिछले तीन महीने में ही यह संख्या तकरीबन साढ़े पांच हजार से अधिक है तो राज्य की शिंदे सरकार और उसका गृह विभाग क्या कर रहा है? राजनीतिक बदले के लिए विपक्ष के पीछे पड़ने के बजाय तीन महीने में आपकी नाक के नीचे से साढ़े पांच हजार लड़कियां कैसे गायब हो गए उनको खोजने के लिए शिंदे सरकार जांच एजेंसी को काम पर लगाए।

कर्नाटक में थमा चुनावी प्रचार

अब फैसला, होगी जीत या हार

- भाजपा को बजरंग बली का सहारा
- कांग्रेस को कन्नड़ अस्मिता की ओट
- जेडीएस भी उम्मीदों से भरी
- 10 को मतदान व 13 को आएंगे नतीजे
- सोनिया के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंचे भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरु। बोम्मई सरकार पर 40 प्रतिशत कमीशन की सरकार और भ्रष्टाचार के मामले उठाकर कर्नाटक विधान सभा चुनाव में बढ़त की ओर बढ़ रहीं कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल को बैन करने का मुद्दा उठाकर बैकफुट पर चल रही बीजेपी को फ्रंट पर खेलने का मौका दे दिया। इस मुद्दे को बजरंग बली के अपमान से जोड़कर भाजपा ने पूरे कर्नाटक में कांग्रेस के खिलाफ हल्लाबोल कर अपने को मुकाबले में ला दिया। हालांकि 13 को पता चलेगा कि सता पर भाजपा की वापसी होती है या कांग्रेस को कर्नाटक की कुर्सी मिलती है। कर्नाटक में 10 मई को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए जोरशोर से जारी प्रचार अभियान समाप्त हो गया। हालांकि, इससे पहले राज्य के तीन प्रमुख राजनीतिक दल, भाजपा, कांग्रेस और जेडीएस ने मतदाताओं को रिझाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आखिरी दिन तीनों ही पार्टियों के कई नेताओं ने चुनावी रैलियों को संबोधित किया।

सोनिया गांधी के हुबली में दिए एक भाषण में संप्रभुता शब्द का इस्तेमाल करने पर बवाल मच गया है। भाजपा सांसदों ने सोनिया गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की है। इस मामले को लेकर दिल्ली में बीजेपी का प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिले है। इस बीच केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सोनिया गांधी ने जानबूझकर संप्रभुता शब्द का इस्तेमाल किया। कांग्रेस का घोषणापत्र टुकड़े-टुकड़े गैंग का एजेंडा है और इसलिए वे इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि चुनाव आयोग इस राष्ट्र विरोधी कृत्य के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने भी सोनिया गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग को शिकायत दी है। भाजपा सांसद ने सोनिया गांधी पर आरोप लगाया है कि हुबली में दिए एक भाषण में सोनिया गांधी ने कर्नाटक की संप्रभुता के बारे में बात की थी। जबकि संप्रभुता शब्द केवल देश के लिए उपयोग किया जाता हैं। उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने कहा, आज हमने चुनाव आयोग को सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत दी है। उन्होंने हुबली में एक भाषण दिया जिसमें उन्होंने कर्नाटक की संप्रभुता के बारे में बात की। हम देश के लिए संप्रभुता का उपयोग करते हैं। वह टुकड़े-टुकड गैंग की मुखिया है। हमने मांग की कि उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए।

धार्मिक नारे लगा रहे हैं मोदी : पवार

कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा है। पवार ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान धार्मिक नारे लगाए हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सभी पार्टियां जमकर बयानबाजी कर रही है। हमने धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा को स्वीकार कर लिया है। जब आप चुनाव में किसी धर्म या धार्मिक मुद्दे को उठाते हैं तो इससे एक अलग तरह का माहौल बनता है और यह अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने के समय हम लोकतांत्रिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्षता की शपथ लेते हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव पर भविष्यवाणी करते हुए पवार ने कहा कि यहां कांग्रेस ही सत्ता में आएगी। बता दें कि कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 10 मई को होंगे और वोटों की गिनती 13 मई को होगी। पवार ने हाल ही में एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं के कई बार आग्रह करने के बाद वह फिर से पद पर बने रहने के लिए सहमत हुए। महाराष्ट्रके रत्नागिरी जिले के बारसु गांव में चल रहे आंदोलन के बारे में पूछे जाने पर, एनसीपी नेता ने कहा कि वह उस जगह का दौरा करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि मैंने बारसू ग्रामीणों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। मैं विशेषज्ञों के साथ एक और बैठक करूंगा। मुझे लगता है कि ग्रामीणों को भरोसे में लेकर इस मुद्दे को आगे बढ़ाया जाना चाहिए

कांग्रेस ने आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया

दूसरी ओर कांग्रेस ने कर्नाटक की भाजपा सरकार के खिलाफ दिए गए 'रेट कार्ड' संबंधी विज्ञापन पर निर्वाचन आयोग द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया तथा जवाब देने के लिए और समय की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं की ओर से आचार संहिता का 'बार-बार और सरेआम' उलंघन किए जाने के बावजूद निर्वाचन आयोग ने उन्हें न तो नोटिस जारी किया और न ही उनकी निंदा की। आयोग की ओर से दिए गए नोटिस के 'आरंभिक जवाब' में पार्टी के नेता और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने यह भी कहा कि आयोग की ओर से जवाब के लिए प्रदान किया गया 24 घंटे का समय पर्याप्त नहीं है क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव का प्रचार अभियान अपने आखिरी दौर में है।

सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण के भीतर जो आरक्षण हैं, वो नहीं हटेगा : शाह

कर्नाटक में आरक्षण को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने दिया बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कहा कि चार फीसदी मुसलिम आरक्षण हमारी पार्टी ने ही खत्म किया है क्योंकि वो गैर-संवैधानिक था। हमारे संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। कांग्रेस ने तुष्टीकरण की नीति के तहत ये मुस्लिम आरक्षण किया था, जिसको हमने हटा दिया है। उन्होंने कहा कि आरक्षण के भीतर आरक्षण हमने बहुत सोच समझकर किया है... हमने अनुसूचित जनजाति के आरक्षण के भीतर आरक्षण में हमने कुछ लिमिट तय किए हैं। इसे कांग्रेस हटाना चाहती है मगर मैं ये स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण के भीतर जो आरक्षण हैं, वो नहीं हटेगा।

मुद्दों से भटका देते हैं मोदी : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने बेंगलुरु के विजयनगर में रैली के बाद कहा कि कर्नाटक चुनाव को लेकर हम बहुत आश्वस्त हैं। मैं केवल उस प्रतिक्रि या को देख सकती हूं जो हमें जनता से मिली है। कर्नाटक के लोग भ्रष्टाचार का अंत चाहते हैं। उन्होंने कहा मोदी जी हर बार अपने बारे में ही बात करते हैं जबकि देश में कई समस्याएं हैं जिन पर वह ध्यान नही देते हैं।

कांग्रेस ने मुसलमानों को केवल इस्तेमाल किया : कुमारस्वामी

जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया और उनके कल्याण के लिए कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार शाम कृष्णापुरा में अपनी पार्टी के मंगलुरु उत्तर के उम्मीदवार मोहिउद्दीन बावा के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा के दौरान यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस कट्टर हिंदू नेताओं का पार्टी में स्वागत कर रही है जबकि जद (एस) पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ साठगांठ का आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों राष्ट्रीय दल अपने राजनीतिक लाभ के लिए युवाओं का फायदा उठा रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनावों के मद्देनजर बिल्लवा समुदाय के वोटों को ध्यान में रखते हुए 'बिल्लवा विकास निगम' गठित करने की घोषणा की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोग, जनता दल (सेक्युलर) में विश्वास जताएंगे। जनसभा के दौरान पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बी एम फारूक, बी ए मोहिउद्दीन बावा, अक्षित सुवर्णा और एम बी सदाशिव भी मौजूद थे।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

100 मौतों का जिम्मेदार कौन

> पूर्वोत्तर का यह खूबसूरत इलाका कई दिनों से सुलग रहा है। वहीं की सरकार व गृह मंत्रालय लगातार राज्य की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। हालात धीरे-धीरे काबू हो रहा है। प्रश्न यह कि ऐस क्यों हुआ। अब ऐसी व्यवस्था करने की जरूरत कि आगे ऐसी घटना न हो। इसके लिए राज्य के साथ केंद्र को भी ध्यान देने की जरूरत हैं।

मणिपुर में हिंसा भीषण रूप ले चुकी है। सरकार ने जानकारी दी है इस विरोध के चलते अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ये दिल को दुख पहुंचाने वाली खबर है। पूर्वोत्तर का यह खूबसूरत इलाका कई दिनों से सुलग रहा है। वहां की सरकार व गृह मंत्रालय लगातार राज्य की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। हालात धीरे-धीरे काबू हो रहा है। प्रश्न यह कि ऐस क्यों हुआ। अब ऐसी व्यवस्था करने की जरूरत कि आगे ऐसी घटना न हो। इसके लिए राज्य के साथ केंद्र को भी ध्यान देने की जरूरत हैं। वहां कि घटना से एक बात फिर से साफ हो गया है कि पूर्वोत्तर बेहद ही संवेदनशील इलाका है। ऐसे में यहां हिंसा से निपटने के लिए अतिरिक्त सावधानी की जरूरत है। हिंसा की ताजा घटना के पीछे मणिपुर हाईकोर्ट का फैसला बताया जा रहा है। मणिपुर में बुधवार रात अचानक भड़की हिंसा ने देखते-देखते जैसा भीषण रूप अख्तियार कर लिया, उससे एक बार फिर यह बात स्पष्ट हुई कि पूर्वोत्तर का इलाका कितना संवेदनशील है और इससे निपटने में कितनी सावधानी की जरूरत है।

हिंसा की ताजा घटनाओं को मणिपुर हाईकोर्ट के उस हालिया फैसले के बाद बने हालात से जोड़ा जा रहा है, जिसमें राज्य सरकार को बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के लिए एसटी दर्जे की सिफारिश केंद्र के पास भेजने का निर्देश दिया गया था। इसी निर्देश के खिलाफ ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने आदिवासी एकजुटता मार्च का आयोजन किया था, जिस दौरान हिंसा भड़क उठी। हालांकि, चाहे हाईकोर्ट का निर्देश हो या आदिवासी छात्रों का मोर्चा, इनकी तात्कालिक भूमिका भले हिंसा भड़कने में रही हो, प्रदेश में जातीय तनाव के हालात लंबे समय से बने रहे हैं। गैर-आदिवासी मैतेई समुदाय हालांकि राज्य की कुल आबादी का करीब 65 फीसदी है, लेकिन यह इंफाल के आसपास घाटी में ही केंद्रित है। क्षेत्रफल के लिहाज से इस समुदाय के पास राज्य का बमुश्किल 10 फीसदी भूभाग ही है। बाकी 90 फीसदी इलाकों में 35 फीसदी आदिवासी समुदायों के लोग फैले हुए हैं। ऐसे में जहां मैतेई समुदाय अपने लिए एसटी दर्जा जरूरी मानता है, वहीं आदिवासी समुदायों को लगता है कि उसे यह दर्जा मिल गया तो उनके अधिकार प्रभावित होंगे। तनाव बढ़ाने वाला एक अन्य नया कारक हैं म्यांमार से आने वाले शरणार्थी। फरवरी 2021 में वहां हुए सैन्य तख्तापलट के बाद इन शरणार्थियों की संख्या में खासी बढ़ोतरी हुई है। खास बात यह कि ये शरणार्थी ज्यादातर म्यांमार के चिन प्रांत के होते हैं जिनकी मणिपुर के कुकी आदिवासियों से रिश्तेदारी होती है। इससे प्रदेश का जातीय संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्रदेश में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के क्रम में दो बातों का खास तौर पर ध्यान रखने की जरूरत है। एक तो यह कि पड़ोसी देश म्यांमार में बनते हालात का मणिपुर जैसे राज्यों की स्थितियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आदर्श-मूल्यविहीन चुनावी रणनीति का दौर

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव हमारे जनतंत्र की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। आजादी के बाद जब चुनावों का सिलसिला शुरू हुआ तो पांच साल बाद चुनाव का शोर सुनाई देता था, पर अब तो आये दिन चुनाव होते रहते हैं, कभी पंचायतों के, कभी विधानसभाओं के और कभी संसद के। मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश आदि के चुनाव खत्म हुए नहीं थे कि कर्नाटक के चुनाव आ गये। इसके बाद नम्बर राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों का है और फिर 2024 में तो आम चुनाव हैं ही। इस सबके चलते ही ऐसा लगता है, जैसे हमारे नेता चुनाव-प्रचार में ही लगे रहते हैं। यह भी समझ नहीं आता कि वे राजकाज की चिंता कब करते हैं और कब सत्तारूढ़ दल चुनाव-प्रचार कर रहा होता है। इसी का परिणाम है कि हमारी समूची राजनीति एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिमट कर रह गयी है।

इस सबके बावजूद चुनावों का स्वागत ही होना चाहिए, क्योंकि यह चुनाव ही जनता को अवसर देते हैं अपने नेताओं से यह पूछने का कि वे जनता के हितों के लिए क्या और कैसे काम कर रहे हैं। यह मौका होता है सत्तारूढ़ दल के लिए अपने किये का लेखा-जोखा देने का और विपक्ष के लिए यह बताने का कि बेहतर शासन देने के लिए उसके पास क्या योजनाएं हैं, कौन-सी नीतियां हैं। पर क्या सचमुच ऐसा होता है? हां, घोषणापत्रों के जरिये ऐसा कुछ बताने-जताने की कोशिश तो होती है, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के आखिरी दिनों तक घोषणापत्र जारी करने की प्रतीक्षा की जाती है उससे तो यही लगता है कि घोषणापत्र या संकल्प-पत्र आदि तो जैसे एक परम्परा निभाने की चीज़ बन कर रह गये हैं। समूचा चुनाव-प्रचार इस बात की गवाही दे रहा है कि घोषणा-पत्र और नीतियां-कार्यक्रम आदि हाथी के दिखाने वाले दांत मात्र हैं। खाने के दांत तो वह आरोप-प्रत्यारोप हैं जो हमारे राजनीतिक दल एक-दूसरे पर लगाते हैं। कभी धर्म के नाम पर मतदाता को भरमाया जाता है, कभी जाति के नाम पर। कभी उम्मीदवारों और अन्य प्रतिपक्षी राजनेताओं के व्यक्तिगत जीवन की परतें उधेड़ी जाती हैं और कभी सच्चे-झूठे आरोप लगा कर घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया जाता है। विचार नहीं, व्यक्ति को केंद्र में रख कर चुनाव-प्रचार को धार दी जाती है।

चुनाव-प्रचार का एक और तरीका 'विक्टिम कार्ड' खेलने का है। अंग्रेज़ी के इस शब्द का अर्थ है अपने साथ होने वाली ज्यादती की कथा सुना कर मतदाता को प्रभावित करना। यह

कोशिश कहां तक जा सकती है, इसका ताजा उदाहरण सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार-तंत्र द्वारा प्रधानमंत्री को कहे गये कथित अपशब्दों की संख्या प्रचारित करना है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की एक चुनावी-सभा में इस आकलन का हवाला देते हुए कहा है कि किसी ने गिनती करके बताया है कि विपक्ष अब तक उन्हें इक्यानवे अपशब्द कह चुका है। अपशब्द कहने का मतलब है गाली देना। यह शब्द लिखे जाने तक इन 'गालियों' में एक की वृद्धि हो गयी है। भाजपा के प्रचारक यह कहते फिर रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष के पुत्र ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नालायक बेटा' कह कर आपराधिक काम किया है। इससे पूर्व स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष पर यह आरोप लग चुका है कि उन्होंने भी 'जहरीला सांप' कहा था। मजे की बात यह है कि इस तरह से शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाना एक पार्टी को बखूबी आता है। 'मौत का सौदागर' या 'हिटलर' जैसे शब्दों को चुनावों में किस तरह से भुनाया जा सकता है इसके उदाहरण पिछले चुनावों में हम देख चुके हैं। सवाल ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल करने की राजनीतिक भूल का उतना नहीं है जितना इस बात का कि हमारी राजनीति का स्तर इतना नीचा क्यों हो गया है? सवाल इस बात का भी नहीं है कि किसने किसको कितने ज़्यादा अपशब्द कहे, सवाल इस बात का है कि नीतियां या कार्यक्रम चुनाव-प्रचार का हिस्सा क्यों नहीं बनते? अपशब्दों की यह राजनीति कुल मिला कर हमारी शानदार जनतांत्रिक परम्परा को कलंकित ही कर रही है। सवाल प्रधानमंत्री अथवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के प्रति अशालीन और अनुचित शब्दों के प्रयोग का नहीं, ऐसे शब्दों को हमारी राजनीति का हिस्सा बनने की शर्मनाक स्थिति का है। यह घटिया राजनीति का उदाहरण है और ऐसी घटिया राजनीति के लिए हमारी जनतांत्रिक परम्परा में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

ऐसा नहीं है कि यह प्रवृत्ति चुनावी-प्रचार के दौरान ही दिखाई देती है, विधान सभाओं और संसद तक में ऐसी घटिया शब्दावली काम में ली जाती है। लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों द्वारा सदस्यों के बोले शब्दों के कार्रवाई से हटाने के ढेरों उदाहरण हैं। यह सही है कि कई बार 'कार्रवाई से हटाने' के आदेशों पर राजनीतिक उद्देश्यों के आरोप भी लगे हैं, लेकिन इससे 'असंसदीय भाषा' अपनाने की अनुमति नहीं मिल जाती। असंसदीय शब्द बहुत शालीन है।

अरुण नैथानी

वर्ल्ड बैंक में बजा बंगा की प्रतिभा का डंका

पंजाब में जालंधर मूल के और पुणे में जन्मे अजयपाल सिंह बंगा का विश्व बैंक का अध्यक्ष नियुक्त होना हर भारतीय को गौरव से भर जाता है। नि:संदेह, भारतीय मेधा, संस्कार और जीवन मूल्य इस नियुक्ति से गौरवान्वित होते हैं, जिसमें विश्व स्तरीय प्रतिभा को जन्म देने की कूवत है। सवाल यह भी उभरता है कि हमारे देश में वह वातावरण क्यों नहीं बन पाया कि भारतीय प्रतिभाओं को अपना आकाश हासिल करने के लिये विदेशों का रुख करना पड़ता है। बहरहाल, पहले एशियाई मूल के किसी शख्स और भारतीय को दुनिया की बेहद प्रभावशाली संस्था का दायित्व संभालने का अवसर मिला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व अध्यक्ष को अपने कार्यकाल एक साल पहले पद से हटना पड़ा। उससे महत्वपूर्ण यह कि अध्यक्ष का चयन करने वाले कार्यकारी बोर्ड के 25 सदस्यों ने निर्विरोध उनका चयन किया।

भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल हरभजन सिंह बंगा के पुत्र अजय बंगा का जन्म 10 नवंबर, 1959 को पुणे में हुआ। स्कूली शिक्षा पिता की हैदराबाद में तैनाती के दौरान इसी शहर में हुई। सेना के अफसरों के लिये यह सुखद सौभाग्य होता है कि वे विभिन्न तैनाती के दौरान पूरे भारत के हो जाते हैं और विभिन्न राज्यों के तमाम बड़े शहरों में रहने का सुखद अवसर पाते हैं। यह सुख अजय बंगा को भी मिला। बाद में उच्च शिक्षा अजय ने दिल्ली में हासिल की। दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन कालेज से अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की। कालांतर एमबीए की डिग्री भारत के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान आईआईएम अहमदाबाद से हासिल की। यह उपलब्धि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमैंट अहमदाबाद की भी है, जिसने एक भारतीय होनहार को विश्व बैंक के शीर्ष पद तक पहुंचाने योग्य बनाया। दरअसल, अजय बंगा ने अपने कैरियर की शुरुआत नेस्ले इंडिया से वर्ष 1980 में की। बाद में वे अमेरिका चले गये और 2007 में अमेरिकी नागरिक हो गये। कालांतर विश्व की प्रतिष्ठित कंपनी मास्टर कार्ड वर्ष 2009 में ज्वाइन की और 2010 में इसके सीईओ बन गये। वे सिटी ग्रुप से भी जुड़े रहे।

फिर वर्ष 2021 में मास्टर कार्ड से रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक ज्वाइन की और फिलहाल वे इसमें वाइस चेयरमैन के पद पर आसीन थे। वे जनरल अटलांटिक में साढ़े तीन अरब डॉलर के क्लाइमेट फंड के एडवाइजरी बोर्ड में शामिल थे। उनकी यह भूमिका उनके विश्व बैंक का अध्यक्ष चुने जाने में सहायक बनी। बाइडन प्रशासन को लगता है कि बंगा का इस क्षेत्र का अनुभव विश्व बैंक अध्यक्ष के रूप में प्राइवेट सेक्टर के साथ सामंजस्य बैठाकर जलवायु परिवर्तन से जुड़े मामलों के निस्तारण में मददगार साबित होगा। विडंबना देखिये कि डोनाल्ड ट्रंप की सिफारिश पर बने निवर्तमान होने जा रहे विश्व बैंक अध्यक्ष डेविड मलपास से जब सार्वजनिक रूप से पूछा गया कि जीवाश्म ईंधन ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में भूमिका निभाता है तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता। इस बात पर व्हाइट हाउस ने मलपास को सार्वजनिक रूप से लज्जित किया था। यही वजह है कि उनकी विदाई कार्यकाल पूरा होने से एक साल पहले कर दी गई। ऐसे में अजय बंगा के सामने सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन पर काबू पाने के लिये नीति बनाने की होगी।

इसके अलावा कोरोना संकट तथा रूस व यूक्रेन युद्ध से उपजे हालात से निपटना भी विश्व बैंक की बड़ी चुनौती होगी। खासकर आर्थिक रूप से दिवालिया हो रहे कम आय वाले छोटे देशों की आवश्यकताओं में सामंजस्य स्थापित करने की। इस समय दुनिया के सामने महंगाई, युद्ध प्रभाव, संघर्ष और जलवायु परिवर्तन के संकट से उपजे हालात से निबटने में विश्व बैंक की निर्णायक भूमिका निभानी है। कर्ज में फंसे राष्ट्रों को बचाने को भी अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। यह सुखद संयोग ही है कि अमृतकाल में देश की एक प्रतिभा विश्व बैंक जैसी महत्वपूर्ण व प्रभावी संस्था की अध्यक्ष बनी है। नि:संदेह, यह संस्था अमेरिका व पश्चिमी देशों के वर्चस्व से चलती है। अमेरिका विश्व बैंक में सबसे बड़ा अंशदान करने वाला देश है। लेकिन एक सुखद निष्कर्ष देखिये कि विभाजन के बाद एक साथ अस्तित्व में आये भारत व पाकिस्तान ने पिछले साढ़े सात दशक में क्या-क्या हासिल किया। भारत ने प्रगति-सकारात्मकता व आधुनिक शिक्षा की राह चुनी और उसका बेटा विश्व बैंक का अध्यक्ष बन गया। वहीं भारत के खिलाफ घृणा की बुनियाद पर बना पाक कर्ज में डूबा रोटी-दाल को तरस रहा है और विश्व बैंक के सामने कर्जे के लिये गिड़गिड़ा रहा है।

आज अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी कारोबारी अजय बंगा की प्रतिभा का पूरा अमेरिका गुणगान कर रहा है। कहा जा रहा है कि उनके पास विश्व स्तरीय कंपनियां बनाने-चलाने का तीस साल से अधिक का अनुभव है। उनका विशिष्ट कार्य अनुभव जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने में काम आयेगा। वे बैंक के निजी क्षेत्र के साथ सामंजस्य बनाकर जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मददगार होंगे। अमेरिकी थिंक टैंक मानते हैं कि वे सरकारों, लाभकारी संगठनों व कंपनियों के बीच तालमेल स्थापित करने में माहिर हैं, जिसका लाभ उनके पदासीन होने के बाद जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निबटने में मिल सकता है। उल्लेखनीय है कि अजय बंगा विगत में व्हाइट हाउस के साथ मिलकर पार्टनरशिप फॉर सेंट्रल अमेरिका के लिये बतौर सह-अध्यक्ष काम कर चुके हैं जिसका मकसद निजी क्षेत्र के निवेश से आप्रवासियों की आमद नियंत्रित करना रहा है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बंगा अपने अनुभव से इस नियुक्ति को कैसे स्वर्णिम अवसर में बदलते हैं।

काले और घने बालों के लिए बेहद लाभकारी है प्याज

लगातार बिगड़ती जीवनशैली की वजह से न सिर्फ हमारी सेहत प्रभावित हो रही है, बल्कि इसकी वजह से त्वचा और बाल पर भी असर पड़ रहा है। ऐसे में सेहतमंद रहने के साथ ही त्वचा और बालों की खास देखभाल भी बेहद जरूरी है। बाल हमारी खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। यही वजह है कि ज्यादातर लोग खासतौर पर लड़कियां अपने बालों का खास ख्याल रखती हैं। लेकिन धूल-मिट्टी और प्रदूषण की वजह से बाल डैमेज होने लगते हैं, जिसकी वजह से बालों से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इन दिनों ज्यादातर लोग टूटते,गिरते और झड़ते बालों की समस्या से परेशान हैं। इस समस्याओं से निजात पाने के लिए लोग कई तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन केमिकल वाले इन प्रोडक्ट्स के कई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप किसी नेचुरल तरीके से अपने बालों का विकास करना चाहते हैं, तो इसके प्याज का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं हेल्दी हेयर के लिए कैसे करें प्याज का इस्तेमाल-

प्याज का रस

बालों के बेहतर विकास के लिए प्याज का रस काफी गुणकारी माना जाता है। आप बेहद आसान तरीके से प्याज का रस निकाल सकते हैं। प्याज का रस निकालने के लिए ये तरीका अपना सकते हैं।

प्याज का तेल

सामग्री

- 2 से 3 प्याज
- एक कटोरी नारियल तेल

प्याज का रस निकालने का तरीका

- प्याज का रस निकालने के लिए सबसे पहले एक प्याज छील लें।
- अब इस प्याज को पीस लें या फिर घीस लें।
- अब इस प्याज में किसी सूती कपड़े में रखकर निचौड़ें और कटोरी में रस जमा कर लें।

ऐसे बनाएं प्याज का तेल

- प्याज का तेल बनाने के लिए सबसे पहले 2-3 प्याज टुकड़ों में काट लें।
- अब नारियल तेल लेकर इसे गैस पर गर्म होने के लिए रखें और इसमें प्याज के टुकड़े डालें।
- तेल में प्याज तब तक पकाएं, जब तक इसका रंग काला न हो जाए।
- अब इस तेल को ठंडा होने दें और फिर छानकर शीशी में भर लें।
- अब तेल को नॉर्मल तेल की तरह बालों पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

- प्याज के रस को लगाने के लिए सबसे पहले बालों को सेक्शंस में बांट लें।
- अब प्याज के रस को उंगलियों की मदद से स्कैल्प पर लगाएं।
- इसके बाद बचे हुए रस को पूरे बालों में सिरों तक लगा लें।
- अब इसे आधे से एक घंटे तक सूखने दें और फिर शैंपू से हेयर वॉश करें।
- बेहतर नतीजों से हफ्ते-दस दिन में एक बार इस नुस्खे को आजमा सकते हैं।

हंसना मना है

Offline रहता हूं तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं परिवार की ही चिंता रहती है Online होते ही धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए होने लगती है। आम भारतीय नागरिक।

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हँसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं कंडक्टर: अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का: ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्युंकि मैं एक शेर कि औलाद हुँ। लड़की: अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी सोलिड वाली बेईज्जती।

लडका: मैं उस लडकी से शादी करूंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका: मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है

महिला: डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूँ? डॉक्टर: उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

कहानी — कुशल-ककड़ी

एक विद्वान परिवार में सात भाई और एक बहन थी। परिवार का सबसे बड़ भाई बहुत ही शीलवान और गुणी था। उसने अपने काल की अनेक विद्याओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया था। जब उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई तो उसने संयास वरण करने का निश्चय किया। भाई के आदर्शों पर चलने वाले उसके छोटे बहन-भाई भी उसका अनुकरण करना चाहते थे। उनके साथ ही उनकी सेवा-टहल के लिए उनका एक नौकर और एक नौकरानी भी हो ली। उन लोगों ने वन में एक जलाशय के किनारे अपनी अलग-अलग कुटिया बनाई। फिर उन्होंने यह व्रत लिया कि दिनभर में वे केवल एक बार ही भोजन करेंगे और प्रत्येक पाँचवें दिन बड़े भाई के उपदेश सुनने के लिए इकट्ठा होंगे। नौकरानी उनके लिए प्रतिदिन कमल की ककड़ी जलाशय से निकाल आठ बराबर भागों में बाँट, दो लकड़ियों को बजा उन सभी को यह सूचना दिया करती थी कि उनका भोजन तैयार है। वे भाई-बहन उम्र के क्रम से आते और अपना हिस्सा उठा पुन: अपनी कुटिया में लौट जाते। हाँ, प्रत्येक पाँचवें दिन वे सभी बड़े भाई का उपदेश को सुनने अवश्य इकट्ठे होते थे। उनकी कठिन साधना को देख, परीक्षण हेतु एक शातिर शरारती प्रतिष्ठित धूर्त एक दिन वहाँ पहुँचा। उस दिन नौकरानी ने जब लकड़ियाँ बजा कर कुटिया-वासियों को यह संदेश दिया कि उनका भोजन तैयार है, तो प्रतिष्ठित धूर्त ने अदृश्य रूप से बड़े भाई के हिस्से की कमल-ककड़ी चुरा ली। बड़े भाई ने, जो सबसे पहले वहाँ पहुँचता था, जब अपने हिस्से की ककड़ी गायब देखी तो वह चुपचाप ही अपनी कुटिया को लौट गया। फिर शेष भाई-बहन आते गये और अपने हिस्से का भोजन लेकर अपनी-अपनी कुटिया को लौट गये। इस प्रकार पाँच दिनों तक प्रतिष्ठित धूर्त ने वैसा ही किया जिससे बड़ा भाई बिना भोजन किये ही साधना करता रहा और उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया। पाँचवे दिन जब सारे भाई-बहन, नौकर-नौकरानी बड़े भाई के उपदेश सुनने इकट्ठे हुए तो वह बिल्कुल रुग्ण दीखा। उसके मुख से भी आवाज ठीक से नहीं निकल रही थी। कारण जानने के बाद सभी बड़े खिन्न हुए। फिर भी उन्होंने चोर की भर्त्सना नहीं की बल्कि उसकी मंगलकामना की। इसे सुनकर प्रतिष्ठित धूर्त लज्जित हुआ और उनसे क्षमा मांगी और बड़े भाई के शील-व्रत की विशेष प्रशंसा की।

12 अंतर खोजें

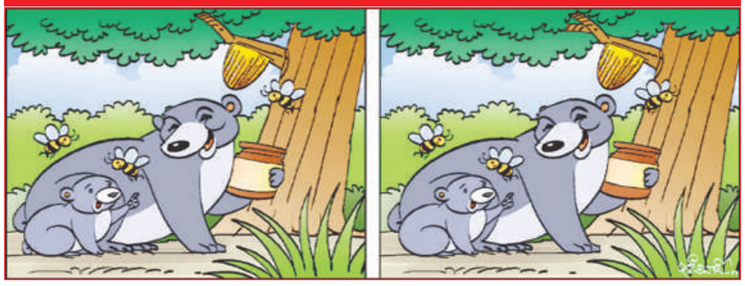

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: आज का दिन रौनक लेकर आएगा। आप घर में कोई फंक्शन आदि के आयोजन पर चर्चा कर सकते हैं। इतना ही नहीं आज घर की शोभा बढ़ाने के लिए कुछ नया खरीद सकते हैं।

वृषभ: आज खुलकर अपनी लव लाइफ को जिएंगे और मन में प्रेम को लेकर उत्साह रहेगा। आज आपका साथी उन पलों का भरपूर आनंद उठाएगा। आज कामकाज के मामले में भी दिन आपके पक्ष में रहने वाला है।

मिथुन: मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहेगा। मौसम के बदलाव से आप बीमार पड़ सकते हैं। सावधान रहें कार्य में रुकावट आने की संभावना अधिक रहेगी।

कर्क: आज का दिन धन संबंधी मामलों में लाभ कराने वाला साबित होगा। आज आपको काम में भी सफलता हासिल होगी। प्यार मोहब्बत के मामले में आज का दिन बहुत ही अच्छा साबित होगा।

सिंह: आज अपने अंदर आत्मविश्वास जगाने से आपको अपने रिश्ते में प्यार मिलेगा और कार्यों में सफलता हासिल होगी। इनकम को लेकर दिन सामान्य रहेगा, लेकिन खर्चे तेजी से बढ़ते हुए नजर आएंगे।

कन्या: आज अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने दोस्तों के साथ समय बिताने का अच्छा मौका मिलेगा। आप कोई सरकारी कामकाज करते हैं तो आपको लाभ हासिल होगा।

तुला: मकर राशि के जो लोग काफी भावुक हैं वह आज काफी मजबूत स्थिति में नजर आएंगे। आज घर परिवार में चल रही परिस्थितियों पर आपका पूरा कंट्रोल रहने वाला है। साथ ही आज घर में खुशहाली आएगी।

वृश्चिक: आज आप शॉपिंग में काफी पैसा और समय खर्च करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ेगा। आज आप अपने निजी जीवन को लेकर कुछ निराश हो सकते हैं।

धनु: आज आपको अपनी सेहत के प्रति लापरवाही करना भारी पड़ सकता है। दरअसल, आज आपको मौसम से संबंधित बीमारी जैसे सर्दी जुकाम की समस्या हो सकती है।

मकर: आज का दिन आमदनी के मामले में काफी अच्छा रहने वाला है। आज आपको अच्छा खासा धन प्राप्त होगा। यदि आपने कहीं पैसा लगाया है तो उससे आपको अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है।

कुम्भ: आज अपने मन में किसी तरह को कोई संदेह नहीं रखना चाहिए क्योंकि, किसी भी प्रकार का संदेह आज आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। अपने दिमाग से पूरी तरह से निकाल दें।

मीन: आज आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। आप जिस भी काम के बारे में सोचेंगे वह सभी पूरे होंगे। अगर आपने जमीन-जायदाद से जुड़े किसी काम में हाथ डाला है तो उसमें भी सफलता आपके कदम चूमेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री 20 वर्षों से कनफ्यूज्ड है : रणवीर कपूर

रणबीर कपूर इन दिनों लाइम लाइट में हैं। एक्टर आगामी एक्शन फिल्म एनिमल की रिलीज का इंतजार कर रहे। रणबीर ने हमेशा से ही शोबिज और डेवलप हो रहे हिंदी सिनेमा पर अपने विचार बेबाकी से रखे हैं। अभिनेता ने एक बार फिर बॉलीवुड को लेकर खुलकर बात की है। एक्टर ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री कंफ्यूज्ड है और वेस्टर्न संस्कृति से बहुत ज्यादा प्रभावित है। हाल ही में प्रशंसकों के साथ एक वीडियो चैट में जब अभिनेता से पूछा गया कि उनके मुताबिक हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में क्या कमी है? इसके जवाब में रणबीर ने कहा, मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में जो कमी है वह ये कि इंडस्ट्री सही में अपने दर्शकों को नहीं जान पा रही है। मुझे लगता है कि पिछले 10 या 15 या 20 वर्षों में, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पवेस्टर्न संस्कृति से, पश्चिमी फिल्मों से, रीमेक से भ्रमित और प्रभावित है। रणबीर ने यह भी कहा कि नए एक्टर्स और राइटर्स और प्रोड्यूसर्स को ज्यादा अवसर नहीं दिए जाते हैं और नई कहानियां बनाने के लिए नए लोग से राय या सलाह ली जाती है। अभिनेता बोले, इंडस्ट्री में बहुत कम अभिनेता और अभिनेत्रियां हैं। फिल्म मेकर नए लोगों को अवसर नहीं दे रहे हैं, जैसे नए निर्देशक। मुझे लगता है कि सही में उन्हें एक अवसर देना बहुत जरूरी हो गया है क्योंकि तभी अच्छा बदलाव होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर को पिछली बार श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में देखा गया था। लव रंजन द्वारा निर्देशित यह फिल्म सुपरहिट रही। रणबीर अगली बार संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में दिखाई देंगे। वह अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल के साथ काम करते नजर आएंगे। हाल में ही एक्टर ने फिल्म की शूटिंग पूरी की है।

पंकज त्रिपाठी ने शुरू की 'मैं अटल हूं' की शूटिंग

जाने-माने अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपनी अगली फिल्म मैं अटल हूं के बारे में एक अपडेट साझा किया है। उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर मैं अटल हूं की शूटिंग की घोषणा की। यह फिल्म भारत के प्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और राजनीतिक करियर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक कवि भी थे।

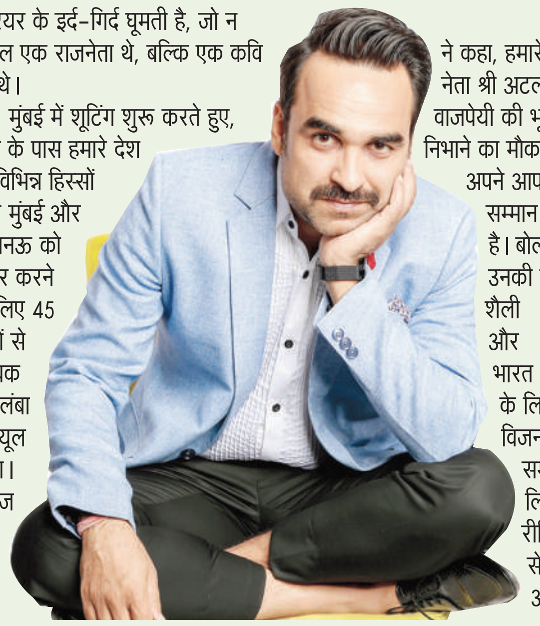

मुंबई में शूटिंग शुरू करते हुए, टीम के पास हमारे देश के विभिन्न हिस्सों जैसे मुंबई और लखनऊ को कवर करने के लिए 45 दिनों से अधिक का लंबा शेड्यूल होगा। पंकज ने कहा, हमारे महान नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाने का मौका मिलना अपने आप में एक सम्मान की बात है। बोली, उनकी जीवन शैली और भारत के लिए उनके विजन को समझने के लिए हमने रीडिंग सेंशन आयोजित किए। मैं आज बहुत खुश हूं क्योंकि हम मैं अटल हूं की शूटिंग शुरू कर रहे हैं।

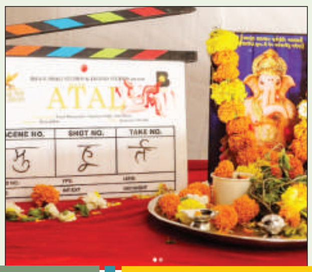

भोजपुरी | मसाला

निर्देशक रवि जाधव ने कहा, मैंने पंकज जी को अटल जी को जानने और समझने की प्रक्रिया में शामिल होते हुए देखा है। मुझे यकीन है कि इस तरह के एक कुशल व्यक्तित्व का किरदार निभाने के लिए पंकज जी से बेहतर कोई और नहीं होता। हमारी फिल्म के साथ वही जादू जो अटल जी ने अपने जीवन और हमारे देश के लिए अपने विजन से बनाया था।

निर्माता विनोद भानुशाली ने साझा किया, मैं अटल हूं एक स्पेशल फिल्म है। फिल्म से जुड़े सभी लोग इसे हमारे दर्शकों के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुभवों में से एक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हमने कहानी से लेकर काफी रिसर्च किया है। निर्माता संदीप सिंह ने साझा किया, यह एक अविश्वसनीय अनुभव की शुरुआत है। टीमों के साथ अनंत बैठकों, पूरे क्रू की कड़ी मेहनत और हमारे अविश्वसनीय कलाकारों के साथ, मुझे अपनी फिल्म मैं अटल हूं की शूटिंग शुरू करने में खुशी हो रही है।

लंबे ब्रेक के बाद मेडिटेशन करने चले आमिर खान

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता आमिर खान 7 अप्रैल यानी की आज रविवार को मेडिटेशन के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। हवाईअड्डे पर उनकी अगवानी करने वाले एक अधिकारी के अनुसार, वह कथित तौर पर काठमांडू के बाहरी इलाके में एक ध्यान स्थल पर गए हैं। काठमांडू में करेंगे मेडिटेशन बताया जा रहा है कि बॉलीवुड अभिनेता काठमांडू के बुधानिलकंठा में नेपाल विपश्यना केंद्र में कम से कम 11 दिन बिताएंगे। यह शहर के बाहरी इलाके में स्थित काठमांडू के लोकप्रिय ध्यान केंद्रों में से एक है। जानकारी के मुताबिक यह ध्यान केंद्र 10 दिन का ध्यान पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

बता दें कि आमिर खान बॉलीवुड में सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपनी दमदार एक्टिंग के लिए काफी जाने जाते हैं। लगान, 3 इडियट्स, पीके, दिल चाहता है और रंग दे बसंती उनकी बेस्ट फिल्मों में से एक है।

आमिर खान का वर्कफ्रंट

आमिर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे। इसके अलावा वह काजोल की फिल्म सलाम वेंकी में कैमियो करते हुए दिखाई दिए थे। जानकारी के मुताबिक एक्टर 2000 में आई फिल्म चैंपियन का रीमेक बनाने वाले हैं, हालांकि उन्होंने इस बारे में खुलकर बात नहीं की है।

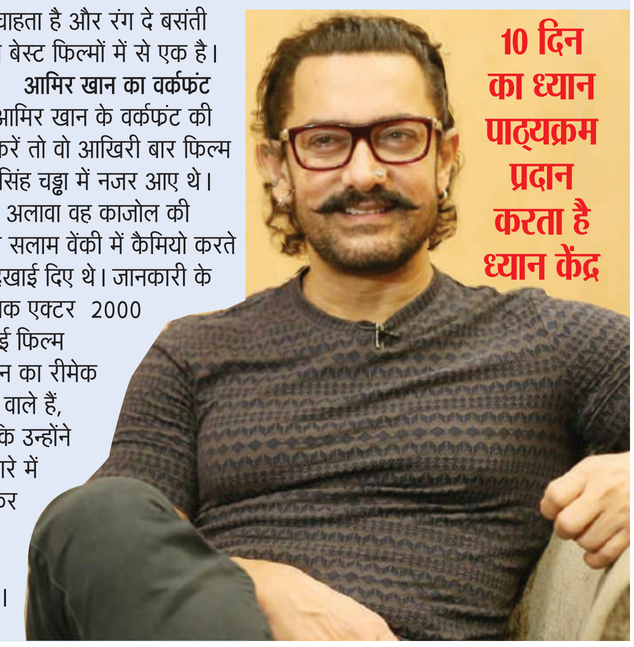

10 दिन का ध्यान पाठ्यक्रम प्रदान करता है ध्यान केंद्र

अजब-गजब | शादी को लेकर इस समुदाय में निभाई जाती है उल्टी परंपरा

यहां दुल्हन की जगह होती है दूल्हे की विदाई

हमारा देश विविधताओं का देश है। जहां हर धर्म और जाति के लोग साथ-साथ रहते हैं। इसके साथ ही हर धर्म जाति का अलग-अलग संस्कृतियां होती है। इसीलिए हमारे देश को दूसरे देशों की तुलना में अधिक सभ्य और अलग माना जाता है। भारत में विभिन्न संस्कृतियों के लोग रहते हैं। उनकी वेशभूषा, खानपान और मान्यताएं एक दूसरे से अलग हैं। आज हम आपको भारत की एक ऐसी जनजाति के बारे में बताने जा रहें हैं, जहां पर शादी होने के बाद दुल्हन नहीं बल्कि दूल्हे की विदाई की जाती है।

यहां दुल्हन दूल्हे के घर नहीं बल्कि दूल्हे को दुल्हन के घर जाना पड़ता है। दरअसल, यह प्रथा मेघालय की खासी जनजाति में आज भी मान्य है। यह एक मातृसत्तात्मक समाज है। बता दें कि इस जनजाति में वंशीय परंपरा माता के नाम पर चलती है। इसीलिए इस समुदाय में माता-पिता की संपत्ति पर पहला अधिकार महिलाओं का होता है। लड़का और लड़की को विवाह हेतु अपना जीवन साथी चुनने की पूरी आजादी दी जाती है।

इसके अलावा इस समुदाय की सबसे खास बात ये है कि खासी समुदाय में किसी भी प्रकार के दहेज के लेने देना की व्यवस्था नहीं है। जो कि एक खास बात है इस समुदाय की। महिलाएं अपनी इच्छा पर किसी भी वक्त अपनी शादी को तोड़ सकती हैं। परिवार की सबसे छोटी बेटी पर सबसे अधिक जिम्मेदारी होती है। वही घर की संपति की मालिक होती है। बता दें कि भारत में खासी लोगों की संख्या तकरीबन 9 लाख के करीब है। इनकी ज्यादातर आबादी मेघालय में रहती है। इनकी आबादी का कुछ हिस्सा असम, मणिपुर और पश्चिम बंगाल में रहता है।

यह समुदाय झूम खेती करके अपनी आजीविका चलाता है। संगीत के साथ इसका एक गहरा जुड़ाव है। ये विभिन्न तरह के वाद्य यंत्रों जैसे गिटार, बांसूरी, ड्रम आदि गाते बजाते हैं। बता दें कि खासी जनजाति के लोग पहले म्यंमार में रहते थे। इसके बाद इस जनजाति ने वहां से अप्रवास किया और भारत के पूर्वी असम में आकर रहने लगे। इसके बाद धीरे-धीरे इनकी आबादी मेघालय में आकर बसने लगी। इस जनजाति की भाषा खासी है। खासी जनजाति के अलावा मेघालय की अन्य दो जनजातियों गारो और जयंतिया में भी यही प्रथा है। इन दोनों जनजातियों में यही व्यवस्थाएं चलती है जो खासी जनजाति में चलती है। यहां पर भी शादी के बाद दूल्हा, अपनी ससुराल में जाकर रहता है। बता दें कि आमतौर पर भारत में यह देखा जाता है कि लड़का होने पर ज्यादा खुशी मनाई जाती है। लेकिन खासी जनजाति में लड़की होने पर पूरा परिवार खुशी मनाता है।

तलाक की खुशी में शख्स ने ऐसी लगाई छलांग कि टूट गई गर्दन

आजकल एक नया ट्रेंड चल रहा है। लोग अपनी शादी को तो सेलिब्रेट करते ही हैं लेकिन आजकल तलाक को सेलिब्रेट करने का भी ट्रेंड शुरू हो गया है। विदेशों में लोग अपने पार्टनर से तलाक लेने के बाद उसे सेलिब्रेट कर रहे हैं। हालांकि एक शख्स को ऐसा करना भारी पड़ गया। इस शख्स का तलाक हुआ था और वो इसे सेलिब्रेट कर रहा था लेकिन तभी उसके साथ ऐसा हादसा हो गया कि वह जिंदगीभर इस घटना को भूल नहीं पाएगा।

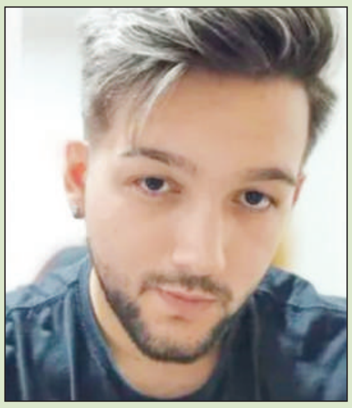

रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्राज़ील के रहने वाले 22 साल के राफेल नाम के शख्स ने अपनी पत्नी से तलाक लेने के बाद इसे सेलिब्रेट करने के लिए ब्यूटी स्पॉट नाम की जगह को चुना। यहां उसने बंजी जंपिंग कर इसे सेलिब्रेट करने का तय किया। लेकिन उसे नहीं पता था कि ये फैसला उसकी जिंदगी पर कितना भारी पड़ने वाला है। 22 साल के राफेल तलाक के बाद अपनी जिंदगी को हर तरह से एंजॉय करना चाहता था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राफेल ने बताया कि वो जिंदगी में आए बदलाव के बाद तरह-तरह की क्रेजी चीज़ों को करके खुश होना चाहता था। इसी वजह से वह अपने 22वें जन्मदिन पर बंजी जंपिंग के लिए गया था। वह 70 फीट की ऊंचाई से बंजी जंपिंग के लिए नीचे कूदा लेकिन बीच में ही उसकी रस्सी टूट गई और सीधा समंदर में जाकर गिर गया। इस हादसे में उनके गर्दन और रीढ़ की हड्डी में चोट आई है। उसकी कमर, चेहरे और शरीर में अलग-अलग जगहों पर खरोंच आई है। राफेल का कहना है कि उसकी मां ने उसे वहां जाने के लिए मना किया था, फिर वो नहीं माना। हादसे के बाद उसकी जिंदगी पहले जैसी नहीं रहेगी। हादसे को तीन महीने बीतने के बाद भी उनका ट्रीटमेंट जारी है।

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सीएम बघेल पर साधा निशाना, कहा-

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले पर क्यों शांत है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाले के पर्दाफाश पर भाजपा पर नरमी बरतने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, आप ने इस मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भूमिका की जांच करने की मांग की है। आप का कहना है कि छत्तीसगढ़ में आबकारी विभाग की मिली भगत से शराब घोटाले को अंजाम जा रहा था।

आप नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में

आप की मांग : बघेल और राहुल गांधी की भूमिका की हो जांच

संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ में शराब का कारोबार प्राइवेट नहीं, बल्कि सरकारी रूप से चलता है। यहां 800 सरकारी दुकानें और छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) है। इस सरकारी कॉर्पोरेशन के ऊपर गंभीर आरोप लगे है। शराब घोटाले को अंजाम देने के लिए आबकारी विभाग में ऐसे अधिकारियों को लगाया गया। जिन्हें डराकर काम करवाना आसान हो। इस बात को स्पष्ट रूप से अधिकारियों के नामों के साथ मीडिया रिपोर्ट्स में भी लिखा गया है।

देश से माफी मांगे पीएम और भाजपा : संजय

नई दिल्ली। सांसद संजय सिंह ने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट के छह मई के आदेश के बाद भाजपा और प्रधानमंत्री का असली चेहरा देश के सामने आ गया है। संजय सिंह ने कहा कि शराब मामले में घोटाले जैसी कोई बात ही नहीं है। यह मनगढ़ंत और हवा-हवाई बातें थीं। इसके पीछे आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी को बदनाम करने की गहरी साजिश रची गई थी। लिहाजा प्रधानमंत्री और भाजपा को पूरे देश सहित केजरीवाल से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनगढ़ंत शराब घोटाला खड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट का आदेश आने के बाद से भाजपा नेता चुप हैं, जबकि भाजपा नेता हवा में शराब घोटाले और उसकी जांच की बात करते थे। वहीं ईडी-सीबीआई ने जांच के दौरान कहा कि 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली गई है। कुछ दिन बाद ईडी-सीबीआई ने कहा कि 100 करोड़ में से 70 करोड़ रुपये का उसके पास कोई सबूत ही नहीं है। ईडी ने 30 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार की झूठी जानकारी अपनी चार्जशीट में रखी। जांच एजेंसी ने कहा कि वेंडर राजेश जोशी को साउथ के शराब कारोबारियों ने 30 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। साथ ही इस पैसे को गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। प्रधानमंत्री के निर्देश पर पिछले छह महीने से ईडी-सीबीआई गोवा जाकर जांच कर रही थीं। कई लोगों से पूछताछ की और उन्हें डराया-धमकाया। ईडी ने सारी जांच के बाद कोर्ट के सामने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कुल 19 लाख रुपये ही गोवा चुनाव में खर्च किए हैं।

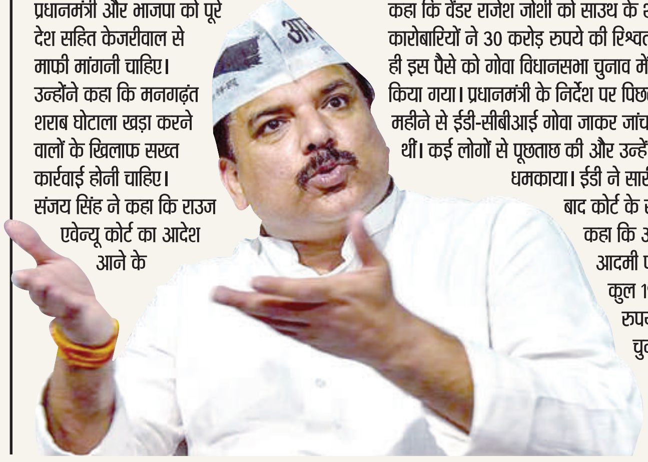

मानसिक तनाव खो चुके हैं सीएम : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री को बहस की खुली चुनौती दी है। कहा कि मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं देने के कोर्ट के आदेश पर वह खुली बहस के लिए आगे आएं। बंगला घोटाला उजागर होने के बाद आम आदमी की छवि को पूरी तरह खो देने के कारण वे मानसिक तनाव में है। शराब घोटाले के दो आरोपियों को जमानत मिलने के आदेश का बार-बार हवाला दे रहे है। सचदेवा ने कहा कि शराब घोटाले से इन्कार करने के लिए दो आरोपियों के जमानत आदेश का तो जिक्र मुख्यमंत्री व उनकी पार्टी कर रही है, लेकिन सिसोदिया को जमानत देने से इन्कार करने वाले अदालत के आदेश की अनदेखी कर रहे हैं, जिसमे कोर्ट ने सिसोदिया को शराब घोटाले का मास्टरमाइंड सूत्रधार माना है।

औरैया पुलिस का अजीबो-गरीब आदेश

होटल में रुक सकती, पीसी नहीं कर सकती अधिकार सेना

भाजपा नेता और सीएचसी चिकित्सा कर्मियों के बीच मारपीट का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। औरैया के सीएचसी अजीतमल में भाजपा नेताओं द्वारा चिकित्सा कर्मियों के साथ मारपीट किए जाने और उल्टे चिकित्सा कर्मियों पर क्रॉस एफआईआर दर्ज करा देने के मामले में मौके पर जानकारी हेतु आए अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर और डॉ नूतन ठाकुर को आज एक अजीबोगरीब पुलिसिया आदेश मिला।

जे के टावर होटल औरैया, जहां वे ठहरे थे, में एक दरोगा ने खुद को चौकी इंचार्ज बताते हुए उन्हें आ कर कहा कि वे

होटल में रुक तो सकते हैं, पर प्रेस वार्ता नहीं कर सकते क्योंकि ऐसा उच्चाधिकारियों का आदेश है। उनसे लिखित में ऐसा देने की बात कहने पर वे आनाकानी करने लगे और सीनियर अफसरों को फोन मिलाया पर उनसे कोई जवाब नहीं मिला। अमिताभ और नूतन ने इसे पूरी तरह आपत्तिजनक और अधिकारों का अनुचित प्रयोग बताते हुए डीजीपी सहित अन्य अफसरों को इसकी शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।

हाईकोर्ट ने की बिहार सरकार की याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जातिय गणना पर पटना हाई कोर्ट से बिहार सरकार को फिर झटका लगा है। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि पहले से जो तय तारीख है उसी पर सुनवाई होगी। कोर्ट की ओर से पहले से सुनवाई के लिए तीन जुलाई का समय दिया गया है।

कोर्ट ने बिहार सरकार की याचिका खारिज कर दी जिसमें अपील की गई थी कि तीन जुलाई से पहले सुनवाई की जाए. यानी जल्द सुनवाई की गुहार लगाई गई थी। महाधिवक्ता पीके शाही कोर्ट में सरकार का पक्ष रख रहे थे, पटना हाई कोर्ट ने बिहार सरकार की ओर से दायर की गई याचिका (इंट्रोलोकेट्री एप्लीकेशन) को स्वीकार कर लिया था। सुनवाई के लिए मंगलवार (9 मई) की तारीख दी गई थीद्ध इस पर आज सुनवाई हुई है। कोर्ट की ओर से कहा गया कि पहले से तय तारीख तीन जुलाई को ही अगली सुनवाई होगी।

कोर्ट ने लगाई विचाराधीन कैदियों के इंटरव्यू लेने पर रोक

मुख्तार अंसारी की कड़ी सुरक्षा के दिये निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के डीजीपी को बाहुबली मुख्तार अंसारी की जेल व जेल के बाहर कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस घेरे में रखकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मीडिया को विचाराधीन कैदी का साक्षात्कार लेने पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा कि वह मीडिया के विचाराधीन कैदियों के इंटरव्यू लेने के खिलाफ नहीं है। पर अभी हाल ही में विचाराधीन कैदियों की हत्या मीडिया कर्मियों के वेश में आए अपराधियों की तरफ से की गई हत्या की घटना को देखते हुए कैदी के सुरक्षा हित में यह प्रतिबंध लगाना पड़ा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट कर रहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. केजे ठाकर और न्यायमूर्ति शिवशंकर प्रसाद की खंडपीठ ने मुख्तार अंसारी की पत्नी की याचिका पर दिया है।

शौहर की हत्या की आशंका जताई

याची ने जेल व जेल के बाहर कोर्ट में पेशी के दौरान अपने शौहर की हत्या किए जाने के खतरे की आशंका को लेकर हाई कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। अंसारी बांदा जेल में बंद हैं। डीएसपी मोहम्मदाबाद ने हलफनामा दाखिल कर कोर्ट को बताया कि पुलिस व जेल प्राधिकारी मुख्तार अंसारी की सुरक्षा को लेकर पूरी सावधानी बरत रहे हैं। जेल के भीतर व बाहर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उनकी सुरक्षा में एक इंस्पेक्टर, दो सब इंस्पेक्टर, दो हेड कॉन्स्टेबल, 8 कॉन्स्टेबल व दो ड्राइवर को सुरक्षा में लगाया गया है।

रिंकू सिंह ने कोलकाता को दिलाई जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सोमवार को आईपीएल के मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स ने पंजाब किंग्स को 5 विकेट से हराया। रिंकू सिंह ने एकबार फिर आखिरी गेंद पर बाउंड्री लगाकर कोलकाता को जीत दिलाई थी और अपने शानदार फिनिशर होने का परिचय दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने आईपीएल प्ले-ऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 179 रन बनाए थे। कप्तान शिखर धवन ने 47 गेंदों में 57 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा कोई बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका था।

आखिर में शाहरुख खान के आठ गेंदों में 21 रन और हरप्रीत बरार के नौ गेंदों में 17 रन की नाबाद पारियों ने पंजाब को 179 के स्कोर तक पहुंचाया। कोलकाता की ओर से वरुण चक्रवर्ती ने तीन और हर्षित राणा ने दो विकेट लिए। जवाब में कोलकाता को जेसन रॉय की 24 गेंदों में 38 रन, कप्तान नीतीश राणा के 38 गेंदों में 51 रन और आंद्रे रसेल के 23 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के की मदद से 42 रन की तूफानी पारियों ने जीत दिलाई। आखिरी दो ओवर में कोलकाता को जीत के लिए 26 रन की जरूरत थी। 19वें ओवर में सैम करन गेंदबाजी के लिए आए। तब रसेल और रिंकू सिंह क्रीज पर थे। इस ओवर में रसेल ने तीन छक्के लगाए। करन ने 19वें ओवर में 20 रन खर्च किए।

आखिरी गेंद पर कोलकाता को जीत के लिए तीन रन की जरूरत थी, लेकिन रिंकू सिंह ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। वह 10 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। यह केकेआर की पंजाब पर 21वीं जीत रही।

पंजाब किंग्स को 5 विकेट से हराया

नीतीश राणा पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नीतीश राणा पर ईडन गार्डन्स में पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। लीग ने अपने बयान में कहा कि आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था। इस वजह से कप्तान नीतीश पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

फोटोः सुमित कुमार

आस्था ज्येष्ठ महीने के पहले बड़े मंगलवार को राजधानी लखनऊ समेत देश के हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ पहुंची हुई है। लखनऊ के हनुमान सेतु मंदिर में सुबह से भक्तों का तांता लगा हुआ है। हनुमान सेतु मंदिर में भव्य आरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

मप्र में दर्दनाक हादसा, पुल से गिरी बस, 22 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में बड़ा हादसा हुआ है। एक सवारी बस 50 फीट ऊंचे पुल से नदी में गिर गई। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है जबकि कई घायल हैं। बस में 35 से ज्यादा लोग सवार थे। जानकारी के मुताबिक श्रीखंडी से इंदौर जा रही बस मंगलवार सुबह 8.30 बजे दंसगा, डोंगरगांव के बीच बोराड़ नदी के पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी।

बताया जा रहा है की एमएसटी हिरामणि ट्रैवल्स की बस एमपी 10 पी 7755 ओवरलोडेड थी। मृतकों में बस का ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर भी शामिल है। घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी, जिसके बाद थाना उन पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस के जवान घायलों की मदद करने में लगे हुए हैं। हादसे की सूचना मिलने पर खगरोन के एसपी, कलेक्टर और विधायक घटनास्थल पर पहुंचे हैं। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और खरगोन जिला अस्पताल भेजा गया है।

50 फीट ऊंचा था पुल, 16 लोगों की मौत **35** से ज्यादा लोग थे सवार

सीएम शिवराज सिंह ने मुआवजे की घोषणा की

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों को 4 लाख रुपये की सहायता राशि, गंभीर रूप से घायलों को 50 हजार, कम एवं साधारण घायलों को 25 हजार और दुर्घटना में घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था मध्य प्रदेश सरकार द्वारा की जाएगी।

एक साल में छह भीषण बस हादसे

इंदौर। एक साल के अंदर इंदौर से आने जाने वाली बसों में छह भीषण हादसे हो चुके हैं। इनमें कई लोग जान गंवा चुके हैं और कई अभी तक इस दर्द से उबर नहीं पाए हैं। इसके बावजूद नेता और अधिकारियों की नींद नहीं खुली है। बस संचालकों की मनमानी जारी है। जुलाई 2022 में सबसे भीषण हादसा हुआ था। इसमें खलघाट पर 12 लोगों की मौत हो गई थी। खरगोन ठीकरी रोड पर ग्राम दसनां 50 फीट ऊंचे ब्रिज से यह बस नदी में गिर गई थी। दिसंबर 2022 में ही इंदौर इच्छापुर हाईवे पर सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई थी वहीं, 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि दोनों ही बसों के अगले हिस्से चकनाचूर हो गए थे। फरवरी 2023 में भी एक हादसा हुआ जिसमें बस मनावर से इंदौर आ रही थी। बताया गया था कि उसकी रफ्तार बहुत तेज थी और बस की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। मार्च 2023 में तेज रफ्तार बस नाले में पलट गई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। मार्च 2023 में ही इंदौर से छतरपुर जा रही बस पलट गई थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। सागर की निवार घाटी में हुए हादसे में 22 यात्री घायल हुए थे। अप्रैल 2023 में जबलपुर से इंदौर आ रही बस देवास के सोनकच्छ में नीलगाय को बचाने के चक्कर में पलट गई। इसमें 50 यात्री थे।

मणिपुर अब भी सेना के साये में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इम्फाल। मणिपुर के हिंसा प्रभावित इलाकों पर ड्रोन और हेलिकॉप्टरों के जरिये कड़ी नजर रखी जा रही है। फिलहाल किसी तरह की हिंसा की कोई खबर सामने नहीं आई है। इसे देखते हुए सभी 11 जिलों में कर्फ्यू में ढील दी गई है। यह जानकारी मंगलवार को अधिकारियों ने दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में हिंसा की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। इससे स्पष्ट है कि राज्य की स्थिति में सुधार हो रहा है। इसलिए आज सुबह 5 बजे से चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई है। अन्य नौ प्रभावित जिलों में भी इसी तरह की छूट दी जा रही है। सोमवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्य में पिछले कुछ दिनों से जारी जातीय हिंसा में 60 लोग मारे गए, जबकि 231 घायल हुए और धार्मिक स्थलों सहित 1,700 घर जल गए।

11 जिलों में दी गई कर्फ्यू में ढील

भाजपा विधायक ने दायर की याचिका

मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति दर्जे पर मणिपुर हाईकोर्ट की ओर से दिए गए विभिन्न आदेशों को चुनौती देते हुए भाजपा विधायक और पहाड़ी क्षेत्र समिति (एचएसी) के अध्यक्ष डिंगांगलुंग गंगमेई ने अपील दायर की थी। इसमें मेइती को एसटी दर्जे पर मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेशों को चुनौती दी गई है। इसमें कोर्ट के आदेश की आलोचना पर अवमानना नोटिस जारी करना भी शामिल है।

बंगाल की खाड़ी में तेज हुआ मोका तूफान

मौसम विभाग का अलर्ट, अंडमान आंध्र और ओडिशा में ज्यादा प्रभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल की खाड़ी मोका तूफान तेज हो गया है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और आंध्र में भारी बारिश का अनुमान जताया है। वहीं ओडिशा के 18 जिलों में भी चक्रवाती तूफान को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके चक्रवात में बदलने और इस सप्ताह के अंत में बांग्लादेश-म्यांमा तटीय क्षेत्र की ओर बढ़ने के आसार हैं, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि यह चक्रवात शुरू में 11 मई तक उत्तर-उत्तर पश्चिम से पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर तथा उसके बाद फिर उत्तर-उत्तर पूर्व दिशा में बांग्लादेश-म्यांमा तटों की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि मौसम के प्रभाव के कारण अंडमान और निकोबार द्वीपसमूहों में मंगलवार को भारी बारिश के आसार हैं, मौसम विभाग ने कहा कि मछुआरों और जहाज तथा नौका संचालकों को सलाह दी जाती है कि वे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के आसपास के क्षेत्रों में और दक्षिण-पूर्व और आसपास के मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में न जाएं।

कर्नाटक में नई आरक्षण नीति पर 'सुप्रीम' रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुस्लिमों को प्राप्त 4 फीसदी आरक्षण को खत्म करने के मामले में सुनवाई करते हुए आज यानी मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कर्नाटक में नई आरक्षण नीति फिलहाल लागू नहीं होगी। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि कर्नाटक सरकार का मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला नौ मई तक लागू नहीं होगा क्योंकि राज्य ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है।

न्यायमूर्ति के. एम. जोसेफ और न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा था कि मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का पिछली सरकार का फैसला नौ मई तक जारी रहेगा। नौ जुलाई को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली दलीलों पर बिना किसी पूर्वाग्रह के, इस मामले की आगे की सुनवाई की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुनवाई शुरू होने पर कहा कि वह दिन में जवाब दाखिल करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।